रस	स्थायीभाव	विभाव (२): आलंबन	विभाव (२): उद्दीपन	अनुभाव (८)	संचारीभाव/व्यभिचारीभाव (३३)
श्रृङ्गार/श्रृंगार	रति	नायक/नायिका	आलंबन का सौन्दर्य, प्रकृति, रमणीय उपवन, आदि	अवलोकन, स्पर्श, आलिंगन, कटाक्ष, अश्रु, चुम्बन आदि	हर्ष, जड़ता, निर्वेद, अभिलाषा, चपलता, आवेग, स्मृति, रुदन आदि।
हास्य	हास	विकृत वेशभूषा, आकार एवं चेष्टाएं	आलंबन की अनोखी बातें, आकृति, हाव-भाव, चेष्टाएं आदि	आश्रय की मुस्कान, नेत्रों का मिचमिचाना आदि	हर्ष, आलस्य, निद्रा, चपलता, कम्पन, उत्सुकता आदि
रौद्र	क्रोध	विपक्षी, अनुचित बात कहने वाला	विपक्षियों के कार्य तथा उक्तियाँ	मुख लाल होना, दांत पीसना, आत्म प्रशंसा, शस्त्र चलाना, आक्रमण करना	आवेग, अमर्ष, उग्रता, उद्वेग, स्मृति, असूया, [illegible]
करुण	शोक	विनष्ट व्यक्ति अथवा वस्तु	आलंबन का दाह कर्म, इष्ट का गुण/पुण्य (?)	भूमि पर गिरना, निःश्वास, छाती पीटना, मूर्छा, रुदन, प्रलाप	निर्वेद, मोह, अपस्मार, व्याधि, ग्लानि, स्मृति, श्रम, विषाद
वीर	उत्साह	अत्याचारी शत्रु	शत्रु का पराक्रम, शत्रु का अहंकार, रणवाद्य, यश की इच्छा	कम्प, धर्मानुकूल आचरण, [illegible]	आवेग, उग्रता, गर्व, औत्सुक्य, चपलता, स्मृति, धृति, मति
अद्भुत	आश्चर्य	आश्चर्य उत्पन्न करने वाला व्यक्ति या पदार्थ	अलौकिक वस्तुओं का दर्शन, श्रवण, कीर्ति	दांतों तले उंगली दबाना, आँखें फाड़कर देखना, रोमांच, आँसू, स्वेद	उत्सुकता, आवेग, भ्रान्ति, स्मृति, हर्ष, मोह
वीभत्स	जुगुप्सा	दुर्गन्धमय मांस, रक्त, अस्थि	रक्त, मांस का सड़ना, कीड़े पड़ना आदि	नाक भौं सिकोड़ना, मुँह बनाना, थूकना	जुगुप्सा, [illegible], आवेग, शंका, मोह, व्याधि, चिंता
भयानक	भय	बाघ, चोर, सर्प, श्मशान	भयानक वस्तु की चेष्टाएं, [illegible]	कम्पन, पसीना, मुख सूखना, चिंता होना	दैन्य, सम्भ्रम, चिन्ता, सम्मोह, त्रास
शान्त	निर्वेद	परलोक चिंतन, संसार से विरक्ति	सत्संग, तीर्थाटन, शास्त्र-चिंतन	[illegible] रोमांच, अश्रु	धृति, हर्ष, स्मृति, मति, विबोध